an>

Title : Need to take necessary steps for conservation of National Bird Peacock.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। मैं सदन का ध्यान राष्ट्रीय पक्षी मोर की वास्तविक स्थिति की ओर आकर्षित करते हुए बताना चाहूंगा कि मोर को देखते ही विश्व भर में भारत की छवि दीखने लगती है, लेकिन भारत देश में मोर की संख्या में दिन-प्रतिदिन कमी दर्ज की जा रही है। मोर की घटती संख्या का सबसे बड़ा कारण इसका शिकार किया जाना है। साथ ही जल स्त्रोतों का अतिक्रमण और जंगलों में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण भी हमारा राष्ट्रीय पक्षी खतरे में है। सरकार ने मोर को राष्ट्रीय पक्षी का दर्जा दे रखा है। सभी राज्यों के वन विभागों ने भी इसे संरक्षित वन्य जीवों की अनुसूची में प्रथम शामिल कर रखा है। परंतु फिर भी मोर के शिकार की बढ़ती घटनाओं के बावजूद इनके रोकथाम की कोई कारगर योजना नहीं बन सकी है। वर्तमान में मोरों का शिकार जहरीला दाना खिला कर किया जा रहा है। राजस्थान राज्य के वन्य जीव प्रेमियों द्वारा मोर चालीसा लिख कर इनके संरक्षण और जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। इसी तर्ज पर मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि वन्य जीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता का अभियान चलाया जाए और शिक्षा पाठ्यक्रमों में भी वन्य जीव संरक्षण को शामिल किया जाए।